



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 20-2021] CHANDIGARH, TUESDAY, MAY 18, 2021 (VAISAKHA 28, 1943 SAKA)

PART – I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 5 अप्रैल, 2021

संख्या 957-962.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 1, 2, 3, 4, 5, तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, सहित, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा, प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जायें, पर विचार करेगी:-

अनुसूची

| प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम | पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम | गांव/ शहर का नाम | तहसील तथा जिले का नाम | संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या | संरक्षित किये जाने वाला क्षेत्र | स्वामित्व | विशेष कथन |
|--------------------------------------|------------------------------------|------------------|-----------------------|--|--|-----------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| प्राचीन टीला कर्णकोट | प्राचीन टीला कर्णकोट | भट्टू | टोहाना, फतेहाबाद | 22 14/1 14/2 15/1 15/2 16/1 16/2 17/1 24 25 23 11 12 19/1 19/2 20 21 22 | कनाल-मरला 0 - 1 0 - 10 1 - 18 6 - 2 1 - 10 6 - 10 1 - 0 1 - 0 8 - 0 8 - 0 4 - 8 1 - 10 5 - 10 8 - 0 8 - 0 <u>8 - 0</u> 70 - 8 8 एकड़ 6 कनाल 8 मरला | निजी | तहसील टोहाना के गांव भट्टू कलां में अब स्थित एक प्राचीन टीला, जिसे सामान्यतया कर्णकोट के नाम से जाना जाता है। शहर टोहाना की पहचान पाणिनि द्वारा बताई गई प्राचीन तोषायण से की जाती है। यह शहर कौरवों के पतन के बाद हिसार, सोनीपत और रोहतक जैसे अन्य शहरों के साथ नन्दों और मौर्यों के अधीन आ गया था। इस क्षेत्र से कुषाण से गुप्त काल के पुरातात्विक अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। संभवतः यह टीला उस समय के गढ़वाले क्षेत्र पर है। 9वीं या 10वीं शताब्दी के पुराने मन्दिर के अवशेष और लाखोरी ईंटों से बना कुआं जो मुगलकालीन (17वीं शताब्दी ईसवी) है, के अवशेष भी गाँव से प्राप्त हुए हैं। |

डा० अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 5th April, 2021

No. 957-962.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected monuments and the archaeological sites and remains specified in columns 1, 2, 3, 4, 5, and 6 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Archaeology and Museums Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified:-

SCHEDULE

| Name of ancient and historical monuments | Name of archaeological sites and remains | Name of village/ city | Name of tehsil and district. | Revenue Khasra / Kila number under protection. | Area to be protected | Owner ship | Remarks |
|--|--|-----------------------|------------------------------|--|--|------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| Ancient Mound Karankot | Ancient Mound Karankot | Bhattu Kalan | Tohana, Fatehabad | 22 14 /1 14/2 15/1 15/2 16/1 16/2 17 /1 24 25 23 11 12 19/1 19/2 20 21 22 | K - M 0 - 1 0 - 10 1- 18 6 - 2 1 - 10 6 - 10 1 - 0 1 - 0 8 - 0 8 - 0 4 - 8 1 - 10 5 - 10 8 - 0 8 - 0 <u>8 - 0</u> 70- 8 8 Acre 6 Kanal 8 Marla | Private | An ancient mound, popularly known as Karankot, is located in village Bhattu Kalan at tehsil Tohana. The town Tohana is identified with ancient Taushayana mentioned by Panini. After the fall of Kurus, the town along with other towns like Hisar, Sonipat, and Rohtak seems to have come under Nandas and Mauryas. Archaeological remains of Kushana to Gupta recovered from this area. Probably the mound is on the fortified area of that time. The remains of old temple datable to 9th-10th century AD and a brick well made on Lakhori Bricks datable to late Mughal (17th century AD), are also found from the village. |

DR. ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.